आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 25.08.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :—

- इसरो ने मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन गगनयान के क्रू मॉड्यूल की सुरक्षित रिकवरी सुनिश्चित करने के लिए पहला एकीकृत एयर ड्रॉप परीक्षण सफलतापूर्वक किया।
- मुख्यमंत्री ने थराली आपदा के मृतकों के परिजनों और पूरी तरह से क्षतिग्रस्त मकानों के स्वामियों को पाँच—पाँच लाख रुपये की तत्काल सहायता राशि के चेक प्रदान किए।
- पौड़ी जिले के पलायन प्रभावित गांवों में मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना के तहत रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।
- देहरादून, चमोली, उत्तरकाशी तथा बागेश्वर जिले के सभी स्कूलों और आगनवाड़ी केंद्रों में भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर आज एक दिन का अवकाश घोषित।

गगनयान मिशन

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन—इसरो ने गगनयान मिशन के लिए पैराशूट आधारित पहले एकीकृत एयर ड्रॉप टेस्ट—आईएडीटी – 01 का परीक्षण किया। यह महत्वपूर्ण अभ्यास अंतरिक्ष यात्रियों को पैराशूट के जरिये सफलतापूर्वक उतारने से संबंधित है। यह परीक्षण इसरो, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन, वायु सेना, नौसेना तथा तट रक्षक बल के संयुक्त प्रयासों से किया गया।
रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत अपने पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक नया अध्याय है। श्री सिंह ने यह बात नई दिल्ली में गगन यात्रियों के लिए आयोजित सम्मान समारोह में कही। इनमें ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, प्रशांत बालकृष्णन नायर, अजीत कृष्णन और अंगद प्रताप शामिल हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत केवल उपग्रह अंतरिक्ष में नहीं भेज रहा, बल्कि उसने अंतरिक्ष के क्षेत्र में पूरी दुनिया को अपनी ताक़त दिखाई है।

निरीक्षण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कल चमोली जिले के थराली आपदा प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने कुलसारी राहत शिविर में प्रभावितों से मुलाकात कर हालचाल जाना और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों और पूर्णतः क्षतिग्रस्त मकानों के स्वामियों को पाँच—पाँच लाख रुपये की तत्काल सहायता राशि के चेक प्रदान किए। साथ ही अधिकारियों को राहत और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने तथा प्रभावितों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए।
उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में सरकार पूरी तरह से प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और राहत—बचाव कार्यों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्रभावित परिवारों को सुरक्षित राहत शिविरों में ठहराया गया है और भोजन, चिकित्सा सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सड़कें खोल दी गई हैं, विद्युत आपूर्ति बहाल की जा रही है और पेयजल लाइन की मरम्मत का कार्य जारी है।

एक्सपो

हरिद्वार के प्रेम नगर आश्रम में आयोजित तीन दिवसीय भारत डेवलपमेंट एंड स्कीम, एग्री हार्टी और हिमालय एमएसएमई एक्सपो का कल संपन्न हो गया। एक्सपो में किसानों, छात्रों और स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और विभिन्न कंपनियों के ऑर्गेनिक व आयुर्वेदिक उत्पादों में खासा उत्साह दिखाया।
समापन कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि यह प्रदर्शनी प्रदेश के लघु उद्योगों को नई दिशा देगी। समापन के मौके पर कई उद्योग प्रतिनिधि और संगठन से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप

हरिद्वार में राज्य स्तरीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप में देहरादून ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीता।
कल खेले गए फाइनल में बालक वर्ग में देहरादून ने टिहरी को 57—45 से हराया, जबकि बालिका वर्ग में देहरादून ने नैनीताल को 39—19 से पराजित किया।

मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना

मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना के तहत पौड़ी जिले के पलायन प्रभावित गांवों में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।
जयहरीखाल विकासखंड के जड़ियाना क्लस्टर को वर्ष 2022—23 में योजना के लिए चुना गया था, जहां कृषि, उद्यान, डेयरी, पशुपालन, शिक्षा और रेशम से जुड़ी 13 योजनाएं शुरू की गईं। इनमें से 9 कार्य पूरे हो चुके हैं और 4 कार्य प्रगति पर हैं। चालू वित्तीय वर्ष में जड़ियाना के साथ अन्य गांवों को भी योजना में शामिल किया गया है।
मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने बताया कि इस योजना से ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं। डेयरी, पोल्ट्री, उद्यान और औषधीय पौधों से जुड़कर लोग आत्मनिर्भर बन रहे हैं और अब उन्हें आजीविका के लिए शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ रहा।
जड़ियाना के अलावा द्वारिखाल, रिखणीखाल, पोखड़ा, यमकेश्वर, नैनीडांडा, बीरोंखाल और खिर्सू विकासखंड के गांव भी मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना में शामिल किए गए हैं।

भू–कटाव रोकथाम

चम्पावत जिले में हुड्डी नदी से हो रहे भू कटाव को रोकने के लिए वन विभाग की टीम ने जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देश पर स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि चंदनी, आनंदपुर और बमनपुरी गांवों को भू कटाव से बचाने के लिए नदी के चैनलाइजेशन की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। पूर्व में भी भू कटाव रोकथाम के कार्य किए गए थे, लेकिन नदी का बहाव बार–बार बदलने से नए स्थलों पर चैनलाइजेशन की आवश्यकता है। यह कार्य सिंचाई विभाग के समन्वय से आगे बढ़ाया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों से संवाद कर सुझाव लिए गए और उन्हें आश्वासन दिया गया कि भू कटाव रोकने के लिए मजबूत और स्थायी कार्ययोजना लागू की जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय बनाकर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

औचक निरीक्षण

चंपावत के जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने टनकपुर में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगिता तिवारी ने जनरल स्टोर, मिठाई की दुकानों और फास्ट फूड स्टॉल्स की जांच कर स्वच्छता और बेहतर गुणवत्ता पर जोर दिया।

निरीक्षण में कई दुकानों पर खाद्य पदार्थों की लेबलिंग मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई, जिस पर तुरंत सुधार के निर्देश दिए गए। दुकानदारों से साफ–सफाई और ताजा सामग्री के उपयोग पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

इस दौरान खाद्य पदार्थों के दो नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए, जिनकी रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए भविष्य में भी ऐसे औचक निरीक्षण जारी रहेंगे।

एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों...

प्रदेश में हो रही बारिश जनजीवन प्रभावति होने की खबर सभी समचार पत्रों की सुर्खियों में है। हिन्दुस्तान समाचार पत्र का शीर्षक –तेलगाड़–खीर गंगा उफनाई, हर्षिल बाजार खाली कराया। इसी खबर पर अमर उजाला लिखता है–स्यानाचट्टी में झील बनने का खतरा बरकरार।

थराली आपदा में प्रभावितों से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मुलाकात की खबर पर हिन्दुस्तान समचार पत्र की सुर्खी है–आपदा पीड़ितों के पुनर्वास को सरकार प्रतिबद्ध।

शैक्षिण कैलेंडर के मुताबिक होंगे प्रदेश में छात्र संघ चुनाव, राष्ट्रीय सहारा समाचार पत्र की खबर है। समाचार पत्र के अनुसार हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों में विश्वविद्यालय के ही निर्देश लागू होंगे।